ध्यानचंद अवार्डी सज्जन सिंह का निधन

चर्चा में क्यों?

18 नवंबर, 2023 को चरखी दादरी ज़िला के समसपुर निवासी एवं ध्यानचंद अवार्डी पहलवान सज्जन सिंह फौगाट का लगभग 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

प्रमुख बिंदु

- ध्यानचंद अवार्डी सज्जन सिंह का जन्म 28 जुलाई, 1933 को हुआ था और 1951 में वे सिपाही के पद पर सेना में भर्ती हो गए। स्कूली समय में वो कबड्डी के अच्छे खिलाड़ी रहे। लेकिन सेना में भर्ती होने के बाद उन्होंने कुश्ती को अपनाया।
- सज्जन सिंह ने कई अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 1960 में रोम ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए सातवां स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार इंडोनेशिया में 1962 में एशियन गेम्स में उन्होंने दो रजत पदक, 1966 के एशियन गेम्स में कांस्य, 1970 के राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक प्राप्त किया।
- उन्होंने 1965, 1967 व 1970 में वर्ल्ड रेसलिंग में देश का प्रतिनिधित्व भी किया। वर्ष 1979 में कटक में उन्हें 'रूस्तमे हिंद' का खिताब हासिल हुआ और 1973 में उन्होंने सेना से सेवानिवृत्ति ली।
- सज्जन सिंह ने वर्ष 1979 में कुश्ती को अलविदा कहा और 1989 में वे साई के कोच बने। सज्जन सिंह को 13 नवंबर, 2021 को तात्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों से ध्यानचंद अवार्ड प्राप्त हुआ था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dhyan-chand-awardee-sajjan-singh-passes-away